ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :29.09.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-09-29 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	30/09/2023	01/10/2023	02/10/2023	03/10/2023	04/10/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	34.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	8	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	3	1	1	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (21-28 सितंबर) में 90.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31.5 से 34.0 डिग्री सेल्सियस और 23.1 से 24.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिन मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 84 से 96% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 54 से 70% के बीच रही। हवा की गति 0.1 से 1.0 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में मौसम साफ़ रहेगा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस और 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी। मौसम साफ और शुष्क रहने की उम्मीद है।

सामान्य सलाहकार:

सप्ताह (29 सितंबर से 5 अक्टूबर) के लिए विस्तारित वर्षा का पूर्वानुमान सामान्य वर्षा का संकेत देता है। साप्ताहिक जिले की औसत वर्षा में अधिक वर्षा यानी 38.2 मिमी देखी गई। एनडीवीआई रेंज ने क्षेत्र में अच्छी से मध्यम कृषि गतिविधि का संकेत दिया। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के लिए "मेघदूत ऐप" और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान आगामी सप्ताह के दौरान साफ और शुष्क मौसम का संकेत देता है तो ताकि कृषि गतिविधियां तदनुसार की जा सकें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था	आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन , अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	गन्ना बढ़ाव चरण/ बुवाई	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग से बचने हेतु किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। शरदकालीन गन्ने की बुआई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	उचित कृषि उपायों द्वारा कीटों के आक्रमण से बचें। फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए।
मूँग काला चना सोयाबीन	वनस्पतिक विकास वनस्पतिक विकास फूल/फली बनना	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए ।
मूँगफली	वनस्पतिक विकास/ खूटियां या फलिया बनना	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें।
तिल	वनस्पतिक विकास	फाइलोडी फाइटोप्लाज्म के कारण होता है जो पौधों , फूलों और पत्तियों के आकार को गुच्छों में बदल देता है और पौधे के हॉपर द्वारा फैलाया जाता है। फसल की समय पर

		बुआई, मिथाइल-ओ-डिमेटॉन 25 ई.सी. दवा का 1.0 लीटर/हेक्टेयर का 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव और प्रभावित पौधों को जलाने से इसे रोका जा सकता है।
राई एवं तोरिया (लाही)	बुवाई	फसल की बुवाई सितम्बर के अंत से अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े के बीच करनी चाहिए। बुआई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेमी तथा मेड़ों से 30 सेमी बनाये रखनी चाहिए । बीजों को मेटालेक्सिल 35 डब्लू.एस.4 ग्राम/किलो बीज के दर से उपचारित करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	परिपक्वता/वानस्पतिक	अगेती किस्मों की तुड़ाई कर उन्हें उपभोग के लिए बाजार में भेजना चाहिए। मध्य किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रथाओं की निगरानी की जानी चाहिए।
मूली/ गाजर/ चुकंदर	बुआई/अंकुरण	खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए।
पालक/ मेथी	बुआई/अंकुरण	पत्तेदार सब्जियों के लिए बुवाई का यह सबसे अच्छा समय है। पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए।
सिट्रस	फ्रूटिंग	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेंम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेंम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उस से सही उत्पादन प्राप्त हो सके। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	नमी की वजह से आहार में फफूॅंदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से अपलाटाॅक्सीकोशिश नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।